हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 28 फरवरी 2025

11 समस्याओं के समाधान के लिए किया जा रहे ...

12 स्वतंत्रता संग्राम के महानायक व शहीद चंद्रशेखर...

खबर संक्षेप

संसार देखती रहेंगी स्वर्गीय नंदलाल की आंखें

भिवानी। सेक्टर 13 निवासी नवदुर्गा इलेक्ट्रिक के मालिक कमल चावला के पिता नंदलाल चावला का 27 फरवरी को निधन हो गया, उनका अंतिम संस्कार हांसी गेट स्थित रामबाग में किया गया। उनके अंतिम संस्कार में शहर के विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं व गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। कमल ने बताया कि उनके पिता एक सामाजिक व्यक्तित्व के धनी थे, वे सामाजिक कार्यों में बढ़चढ़ कर भाग लेते थे। उन्होंने लगभग 35 वर्षों तक स्वास्थ्य विभाग में सेवाएं दी तथा मरीजों की सहायता की। उनके निधन पर परिजनों के सहयोग से अनुकरणीय उदाहरण पेश करते हुए चौधरी बंसीलाल अस्पताल के चिकित्सकों की टीम की उपस्थिति में उनकी आंखें दान की, ताकि वे किसी जरूरतमंद के जीवन में उजियारा ला सकें। उन्होंने कहा कि उनके पिता के चले जाने के बाद भी उनकी आंखें संसार को देखती रहेंगी।

ऋण लेकर जीवन संवार सकती लड़कियां : डीसी

चरखी दादरी। हरियाणा महिला विकास निगम की ओर से लड़कियों व महिलाओं को देश विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए बैंकों से ऋण लेने पर ब्याज दर में 5 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है। योजना का लाभ लेने के लिए हरियाणा का स्थाई निवासी होना जरूरी है। उपायुक्त मुनीश शर्मा ने बताया कि महंगे ब्याज दर के अभाव में कोई भी छात्रा उच्च शिक्षा प्राप्त करने से वंचित ना रहे। इसलिए सरकार लड़कियों व महिलाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने पर 5 प्रतिशत ब्याज दर से सब्सिडी दी जाती है। भारत सरकार के बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को गति प्रदान करने के उद्देश्य से लडकियों व महिलाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए किसी समस्या का सामना न करना पड़े।

अवैध शराब के साथ युवक किया गिरफ्तार

भिवानी। जिला पुलिस भिवानी द्वारा जिले में बिना लाइसेंस के अवैध शराब बेचने वाले आरोपियों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया हुआ है, जो इसी अभियान के तहत एंटी व्हीकल थैफ्ट स्टाफ ईशरवाल की टीम ने सिवानी में मकान से अवैध शराब बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी की पहचान रणबीर निवासी वार्ड 10 सिवानी के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने आरोपी के घर से 148 बोतल अवैध शराब देशी, अंग्रेजी व बीयर बरामद की है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया।

भावों में तीन गुणा गिरावट होने पर 'बेस्वाद' लहसुन लगने लगा 'स्वाद'

नींबू और अधिक 'खट्टा' हुआ करेले की कड़वाहट पड़ी 'फीकी'

- गरीब की रसोई सब्जियों से हुई गुलजार, सीजन की सब्जियां आने से गृहिणियों का रसोई का बजट सुधरा

राकेश भटठी : भिवानी

शादी-विवाह सीजन व सर्दियों के चलते सब्जियों के दामों में भारी उछाल रहता हैं और भाव आसमान छूने लगते हैं। वहीं सभी सब्जियां गरीब की रसोई की दहलीज से बाहर भी हो जाती हैं, लेकिन अब सीजन की सब्जियां आने से भाव दो से ढाई गुणा कम हुए हैं। दो सप्ताह पहले नींबू 60 रुपये किलोग्राम बिक रहा था, जो अब मौसम में गरमाहट आने से 120 किलोग्राम भाव के साथ और अधिक खट्टा हो गया हैं। वहीं करेले का भाव भी 130 रुपये से 70 रुपये किलोग्राम हो गया हैं और उसकी कड़वाहट भी काफी कम एवं फीकी हो गई हैं।

महंगाई के साथ ही गरीब की रसोई से सब्जियां गायब हो जाती हैं और जैसे ही भावों में गिरावट आती हैं गरीब की रसोई भी सब्जियों से गुलजार होने लगती हैं तथा गृहिणियों का रसोई का बजट भी सुधर जाता हैं। रसोई में प्रतिदिन प्रयोग में लिया जाने वाला लहसुन दो सप्ताह पहले 300 रुपये किग्रा था, जो गृहिणियों का रसोई का बजट बिगाड़ रहा था। 100 रुपये प्रतिकिलोग्राम होने पर लहसुन अब स्वाद लगने लगा हैं। हरी मटर पहले 100 रुपये थी, जो अब 40 रुपये बिक रही हैं। शादी समारोह में लजीज रेसीपी बनाने के लिए वेलपेपर (लाल पीली शिमला मिर्ची) का प्रयोग किया जाता हैं। शादियों में इनकी डिमांड काफी बढ़ जाती हैं, ये दो सप्ताह पहले 400 रुपये किलोग्राम बिकती थी, जो अब 200 रुपये किलोग्राम बिक रही हैं। वहीं अब प्याज भी लोगों को रूलाने के मूड में हैं, जो पहले 20 और अब 50 रुपये किलोग्राम के भाव में बिकी हैं। वहीं धनिया पहले 80 से 100 तथा पोदिना 200 रुपये बिकता था, अब धनिया मात्र 20 व पोदिना 60 रुपये किग्रा के भाव से बिक रहा हैं।

हरी मिर्च ने बदला स्वभाव, तीखी से हुई फीकी : सब्जी विक्रेता रामपाल वर्मा व रामधारी ने बताया कि 15 दिन पहले हरी मिर्ची 100-120 रुपये बिक रही थी अब 60 रुपये हो गई हैं। वहीं टमाटर 60 से गिरकर 20 रुपये किलोग्राम बिक रहा हैं। वैसे तो त्योहारी सीजन में टमाटर ने अपना लाल रंग सबको दिखा दिया था, जिसको देखकर व भाव सुनकर सामने वाला या तो सुन्न रह जाता था या फिर गुस्से में टमाटर के लाल रंग जैसा हो जाता था, लेकिन अब टमाटर का भाव संतुलन में हैं।

भिवानी। पुराना बस स्टैंड पर सब्जी बेचते रामपाल वर्मा।

ज्यादा पैदावार होने से गिरे भाव

सब्जी व्यापारी सतपाल कदम, जोनी बेडवाल व विक्की बेडवाल ने बताया कि फिलहाल सीजन की सब्जियों का जोर हैं और पैदावार भी ज्यादा हो रही हैं, जिसके चलते टमाटर, चप्पल कद्दू, पेठा, घीया, मटर, फूल गोभी, मूली, खीरा व पत्ता गोभी सहित सभी सब्जियां ज्यादा मात्रा में मंडी में बिक्री के लिए आ रही हैं। जैसे ही सब्जियों की पैदावार में गिरावट आएगी, वैसे ही भावों में उछाल शुरू हो जाएगा।

ये हैं सब्जियों के दाम प्रतिकिलोग्राम

सब्जी का नाम	अब	पहले के दाम
लहसुन	100	300
करेला	70	130
नींबू	120	60
हरी मिर्च	60	100-120
हरी शिमला	50	80
फूल गोभी	20	50
वेलपेपर लाल पीली शिमला	200	400
धनिया	20	80-100
पोधिना	60	200
भिंडी	100	160
तोरी	120	60
टींडा	120	—
ग्वार फली	120	—
मटर	40	100
टमाटर	20	50
खीरा पॉलीहाउस	30	60
बैंगन	30	40
शुगनी पेठा	30	60
चप्पल कद्दू	20	60
प्याज	50	20
आलू	20	30

4 व 5 को दिल्ली में होगा दो दिवसीय सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶। भिवानी

- सम्मेलन में आधुनिक निर्वाचन प्रबंधन के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर होगी चर्चा : डीसी

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी महावीर कौशिक ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने 4 व 5 मार्च को भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली में सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय किया है। डीसी कौशिक ने बताया कि ज्ञानेश कुमार के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) के रूप में कार्यभार संभालने के बाद से ये पहला सम्मेलन है।

उन्होंने कहा कि पहली बार मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) को निर्देश दिया गया है कि वे सम्मेलन में भाग लेने के लिए एक डीईओ और एक ईआरओ को नामित करें। उन्होंने कहा कि सांविधिक अधिकारियों के रूप में, सीईओ, डीईओ और ईआरओ राज्य, जिला और विधानसभा क्षेत्र के स्तर पर महत्वपूर्ण पदाधिकारी हैं। कौशिक ने कहा कि दो दिवसीय सम्मेलन से राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के निर्वाचन अधिकारियों को विचार-मंथन और एक-दूसरे के अनुभवों से परस्पर सीखने का एक बेहतर मिलेगा।

\उन्होंने बताया कि सम्मेलन के पहले दिन आधुनिक निर्वाचन प्रबंधन के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर चर्चा होगी, जिसमें आईटी आर्किटेक्चर, प्रभावी संवाद, सोशल मीडिया आउटरीच को बढ़ावा और निर्वाचन प्रक्रियाओं में विभिन्न पदाधिकारियों की वैधानिक भूमिका शामिल है। सम्मेलन के दूसरे दिन, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के सीईओ पिछले दिन की विषयगत चर्चाओं पर अपनी-अपनी कार्ययोजना प्रस्तुत करेंगे।

नशीले पदार्थ सहित युवक गिरफ्तार

चरखी दादरी। हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो व दादरी पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक युवक को चरस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता योगेश कुमार ने बताया कि बुधवार को हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम गश्त पड़ताल के दौरान आर्यन स्कूल के पास नहर पर मौजूद थी। उस दौरान सूचना मिली कि युवक नशीला पदार्थ का अवैध कारोबार करता है, जो नशीला पदार्थ बेचने के लिए साहूवास से दादरी रोड पर बाइक के साथ खरीददार के इंतजार में खड़ा है। सूचना के मुताबिक टीम ने मौका पर पहुंचकर रोड के साइड में बाइक के पास खड़े एक व्यक्ति को काबू किया। उसकी तलाशी लेने पर 121 ग्राम चरस बरामद हुई। आरोपी की पहचान भिवानी निवासी राजेश उर्फ राजा के रूप में हुई। आरोपी को कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

बीए प्रथम वर्ष की कल्पना ने स्वर्ण पदक जीता

भिवानी। राजीव गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी ग्रेपलिंग प्रतियोगिता का आयोजन महात्मा ज्योतिबा फुले, रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली में हुआ, जिसमें चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय की टीम में महाविद्यालय की चार खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें बीए प्रथम वर्ष की छात्रा कल्पना ने स्वर्ण पदक, बीए द्वितीय वर्ष की छात्राओं साक्षी एवं वर्षा ने कांस्य पदक प्राप्त किया। छात्राओं का महाविद्यालय में पहुंचने पर प्राचार्य प्रोफेसर त्रिलोक चंद ने स्वागत किया। डॉ. राजेश कुमार ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि वे अपनी ट्रेनिंग एवं डाइट की तरफ विशेष ध्यान रखें और अपने पदक जीतने के इस सफर में हमेशा आगे बढ़ते रहें। इस अवसर पर एसोसिएट प्रोफेसर श्वेता, खेल मंडल के सदस्य सर्व सहायक प्रोफेसर अजीत कुमार, सीमा बुमरा, शर्मीला, मंजू, सतविन्द्र चौहान, सर्व एक्सटेंशन लेक्चरर डॉ. लक्ष्मी, डॉ. अनिता शर्मा, डॉ. ललिता शर्मा, डॉ. रूपम, मंजीत बेनीवाल आदि मौजूद रहे।

15 तक निर्माण में तेजी नहीं आई तो पंचायत करेगी प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶। भिवानी

जीतूवाला ओवरब्रिज निर्माण में सभी बाधाएं दूर हो गई है, केवल जीतूवाला छौर की सीवर डिस्पोजल वापसी पाइप लाइन शिफ्ट होनी है, अब पुल निर्माण कार्य तेजी से करवाया जाएगा और तीन माह में पुल आवागमन के लिए खोल दिया जाएगा, ये आश्वासन वीरवार को पीडब्ल्यूडी विभाग भिवानी के अधीक्षक अभियंता एवं कार्यकारी अभियंता लोकेश डागर ने रेल अंडरपास महापंचायत श्रीजीतूवाला के शिष्टमंडल को दिया। कुलदीप सिंह तंवर एवं रोहतास वर्मा ने बताया कि महापंचायत का शिष्टमंडल पुल निर्माण में तेजी लाने एवं आवागमन चालू करने की डैडलाइन बताने बारे पीडब्ल्यूडी के आला अधिकारियों से मुलाकात करने उनके कार्यालय में गया तथा बातचीत कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में पुल के दोनों तरफ सर्विस रोड बनाते हुए बीच में बंद कर दिया। टाप सैक्सन का काम अधूरा छोड़ दिया हुआ है। जीतूवाला छौर पर सीवर लाइन शिफ्ट हुए 10 दिन हो गए, फिर भी ठेकेदार रिटेनिंग वॉल का निर्माण नहीं कर रहा। महापंचायत शिष्टमंडल को अधिकारियों ने कहा कि दोनों तरफ सर्विस रोड निर्माण एक दो दिन में पुनः शुरू करवाया जाएगा। कंपनी को निर्देश दे दिए हैं और तेजी से सभी कार्य करवाए जाएंगे।

भिवानी। महापंचायत श्रीजीतूवाला कि बैठक में ओवरब्रिज निर्माण कार्य तेजी लाने को विचार विमर्श करते सदस्य। फोटो : हरिभूमि

पुलिस ने लोन के रुपये गबन करने की आरोपित महिला को किया गिरफ्तार, रिमांड पर लिया

- आरोपी ने 10 लाख की बजाय 15 का लोन करवाया

भिवानी। थाना साइबर क्राइम पुलिस भिवानी ने ज्यादा लोन करवाकर उसे वापस भरने के नाम पर लाखों रुपये का गबन करने के मामले में प्राइवेट लोन एजेंट को सिरसा से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। नरेंद्र निवासी भिवानी ने थाना साइबर क्राइम पुलिस भिवानी को शिकायत में बताया था कि उनके मोबाइल नंबर पर फोन आया था, जो फोन करने वाले ने खुद को प्राइवेट एजेंट बताकर लोन करवाने की बात कही थी। आरोपी लोन एजेंट ने उनका 10 लाख रुपये की बजाय 15 लाख रुपये का लोन करवा दिया था। आरोपी ने शिकायतकर्ता से 3,71,000 रुपये का चेक लिया था, लेकिन आरोपी ने ये राशि उनके लोन अकाउंट में न डालकर अन्य महिला के खाते में डाल दी। पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत अभियोग थाना साइबर क्राइम भिवानी में दर्ज किया था।

साहित्य वार्षिकोत्सव, पुस्तक विमोचन और कवि सम्मेलन दो मार्च को

हरिभूमि न्यूज ▶▶। भिवानी

- मुख्यातिथि के रूप में उत्तम नगर द्वारका दिल्ली के विधायक पवन शर्मा शिरकत करेंगे

नारायण साहित्य शाला भारत ट्रस्ट के द्वितीय वार्षिकोत्सव में पुस्तक विमोचन एवं कवि सम्मेलन का आयोजन दो मार्च रविवार को दिल्ली कैंट एरिया परेड रोड युद्ध भूमि अध्ययन केंद्र के सभागार में आयोजित किया जायेगा, ये जानकारी देते हुए संस्थान के संस्थापक पंडित रामजस त्रिपाठी नारायण ने बताया कि नारायण ठहाका सांझा संकलन में भिवानी के प्रसिद्ध हास्य कवि श्रद्धेय रघुवीर प्रसाद सरल एवं उनके सुपौत्र राजेश कुमार सरल की भी रचनाएं पुस्तक में प्रकाशित हुई हैं।

किया जाएगा सम्मानित

साथ ही नारायण दोहावली, सूर्य चालीसा, मानसी पुस्तकों का विमोचन भी किया जायेगा। कार्यक्रम में संस्थान की सभी अनुषंगी शाखाओं नारायण साहित्य शाला भारत, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ झारखंड, बिहार , राजस्थान एवं महाराष्ट्र मंच के संचालकों को हिंदी भाषा के उन्नयन में सराहनीय योगदान देने के लिए नारायण साहित्य-निधि सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के लिए राज्यसभा सांसद रामचन्द्र जांगड़ा को आमंत्रित किया गया है। पुस्तक विमोचन के लिए मुख्यतिथि के रूप में उत्तम नगर द्वारका दिल्ली के विधायक पवन शर्मा एवं ब्रिगेडियर अमीर सिंह विशिष्ट सेवा मेडल का आगमन होना निश्चित हुआ है।

कार्यक्रम के आयोजन में अध्यक्षा अर्चना त्रिपाठी, सचिव रामेश्वर प्रसाद त्रिपाठी, संरक्षक अभिनंदन गोयल, कोषाध्यक्ष धीरज दीक्षित धैर्य, विधि प्रमुख ज्ञानेश मणि पाठक, दिनेशचंद्र श्रीवास्तव, प्रबंधक शिवप्रकाश तिवारी, वीरेंद्र चतुर्वेदी, हरि नारायण, राजकुमार सिंह, राजेश तिवारी, हरियाणा मंच संचालक अक्षयराज शर्मा एवं उत्तर प्रदेश मंच के संचालक राजेश कुमार सरल काफी उत्साहित हैं।

भाजपा सरकार ने पिछड़ा वर्ग विरोधी होने का परिचय दिया: ओमप्रकाश

पिछड़ा वर्ग के संगठनों ने शहर में प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶। भिवानी

भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग हितैषी होने का दावा करती नहीं थकती तथा पिछड़ा वर्ग के लोगों के सहारे ही अपनी राजनीति कर रही हैं, वहीं जब पिछड़ा वर्ग के हितों की बात आती है तो भाजपा सरकार उनके हितों पर प्रहार करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ती, जिसका उदाहरण एक बार फिर से भाजपा सरकार ने गुरुग्राम नगर निगम के चेयरपर्सन पद के लिए पिछड़ा वर्ग के हिस्से की सीट को डकारकर उनके राजनीतिक भविष्य पर चोट मारने का काम किया है, जिसके विरोध में वीरवार को राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के बैनर तले पिछड़ा वर्ग से जुड़े विभिन्न संगठनों ने विरोध जताया।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रवक्ता गणेशीलाल वर्मा के नेतृत्व में चिड़ियाघर रोड से प्रदर्शनकारी नारेबाजी करते हुए उपायुक्त कार्यालय पहुंचे तथा उपायुक्त के माध्यम से हरियाणा के मुख्य सचिव व चुनाव आयुक्त के नाम मांगपत्र सौंपकर तुरंत प्रभाव मामले में संज्ञान लेकर पिछड़ा वर्ग के साथ कुठाराघात करने वाले दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। पिछड़ा वर्ग मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुरेश प्रजापति, जनसंघर्ष समिति से कामरेड ओमप्रकाश, पंजाबी समाज के नेता देवराज महता, आंबेडकर सेना के प्रदेश अध्यक्ष दलबीर उमरा ने कहा कि गुरूग्राम नगर निगम में चेयरपर्सन पद के लिए भाजपा सरकार ने पिछड़ा वर्ग की सीट घोषित की थी, लेकिन सरकार ने वायदे से मुकरते हुए पिछड़ा वर्ग की सीट को डकारने का काम किया है, जिससे प्रदेशभर के पिछड़ा वर्ग में भारी रोष है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पिछड़ा वर्ग को और भी अधिक राजनीतिक पिछड़ेपन की खाई में धकेल रही है, जिसमें सीधा-सीधा हस्तक्षेप गुरुग्राम प्रशासन का भी है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी सरकार ने कई ऐसे अनुचित फैसले लिए, जो पिछड़ा वर्ग हित में नहीं थे, इसके बावजूद एक बार फिर भाजपा सरकार ने पिछड़ा वर्ग विरोधी होने का परिचय दिया है। उन्होंने मांगपत्र के माध्यम से मांग की कि सरकार की घोषणा के बावजूद भी पिछड़ा वर्ग के हिस्से की सीट को अन्य को देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। इस मौके पर नवीन प्रधान, कुलदीप प्रधान, रामकुमार, बाबूलाल, रमेश दहिया, सुरेंद्र, कृष्ण वर्मा, अमरनाथ, अशोक जोगी, महेंद्र प्रजापति, राजीव, सुखदेव, विजय आदि मौजूद रहे।

भिवानी। मुख्य सचिव व चुनाव आयुक्त के नाम ज्ञापन सौंपते पिछड़ा वर्ग के विभिन्न संगठनों के सदस्य व अन्य।

बच्चों, तुम कहानियां, कॉमिक्स या मैग्जीन्स तो पढ़ते ही होगे। अगर तुम्हें ऐसी किताबें पढ़ने के साथ-साथ साइंस में भी रुचि है तो विज्ञान कथाएं यानी साइंस फिक्शन भी पढ़ो, तुम्हें खूब मजा आएगा। विज्ञान कथाएं तुम्हें रहस्य-रोमांच की एक अलग ही दुनिया में ले जाएंगी। आज साइंस-डे के मौके पर जानो, साइंस फिक्शन से जुड़ी कुछ रोचक बातें।

रहस्य-रोमांच से भरपूर साइंस फिक्शन

स्पेशल स्टोरी / शिखर चंद जैन

बच्चों, विज्ञान कथाएं यानी साइंस फिक्शन पढ़ने का अपना अलग ही रोमांच है। कहने को तो ये काल्पनिक कथाएं होती हैं, लेकिन इनमें सिर्फ ऐसी कल्पनाएं नहीं होतीं, जो बिल्कुल ही निराधार हों, इनका साकार होना संभव न हो। दुनिया में इंसान के लिए बहुत से ऐसे उपयोगी आविष्कार हुए हैं, जो विज्ञान कथाओं से प्रेरित हैं। सक्षम और अनुभवी विज्ञानकथा लेखकों ने तकनीक, फैंटेसी और भविष्य की कल्पना का ताना-बाना बुनकर ऐसी बहुत सी रोचक विज्ञान कथाएं लिखी हैं, जो पूरी दुनिया के बच्चों को ही नहीं, बड़ों को भी खूब पसंद आई हैं।

क्या हैं विज्ञान कथाएं

विज्ञान कथाएं अकसर भविष्य की कल्पना करके लिखी जाती हैं। जैसे आने वाले समय में मनुष्य कौन-सी नई तकनीक इस्तेमाल कर सकता है, यातायात, संचार, रहन-सहन और सुख-सुविधाओं के लिए कैसे उपकरणों का उपयोग किया जा सकता है? ये कहानियां वास्तविक दुनिया से बहुत अलग होती हैं। लेकिन इन्हें असंभव या सिर्फ एक कल्पना कहकर हवा में नहीं उड़ाया जा सकता। इन विज्ञान कथाओं में ग्रहों के तरह-तरह के जीवों, अंतरिक्ष में मनुष्य के सुगमता पूर्वक रहने की कल्पना की जाती है। अलग-अलग विज्ञान कथा लेखकों ने चिकित्सा की नवीनतम प्रणालियों, यातायात के अद्भुत साधन, नई संचार प्रणालियों की कल्पना बहुत पहले की है, जो आज साकार हैं।

कहां से आया 'साइंस फिक्शन' टर्म

ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी के अनुसार सबसे पहले 'साइंस फिक्शन' या 'विज्ञान कथा' शब्द का प्रयोग 1851 में हुआ था। विलियम विल्सन ने इसे अपनी संकलित कविताओं की पुस्तक 'अ लिटिल अर्नेस्ट बुक अपॉन ए ग्रेट ओल्ड सब्जेक्ट' में इस्तेमाल किया था। आधुनिक समय में 'साइंस फिक्शन' शब्द को प्रचलित करने का श्रेय ह्यूगो जर्न्स बैक को जाता है। उन्होंने 1926 में विज्ञान कथाओं की पत्रिका 'अमेजिंग स्टोरीज' शुरू की थी। 1930-40 तक 'साइंस फिक्शन' शब्द बहुत लोकप्रिय हो चुका था।

तरह-तरह की विज्ञान कथाएं

विज्ञान कथाएं यानी साइंस फिक्शन कई तरह के होते हैं। मोटे तौर पर लोग इन्हें दो शैलियों में विभाजित करते हैं- हार्ड और सॉफ्ट विज्ञान कथाएं। हार्ड साइंस फिक्शन विज्ञान सम्मत सच्चे तथ्यों और सिद्धांतों पर आधारित होती हैं। इनमें फिजिकल साइंस, एस्ट्रोलॉजी और केमिस्ट्री का प्रयोग रहता है। इनमें बताया जाता है कि आने वाले दिनों में मनुष्य कई उन्नत तकनीकें विकसित कर लेगा। कई हार्ड साइंस फिक्शन लेखक तो पेशेवर वैज्ञानिक रहे हैं। उनकी कई कल्पनाओं ने बखूबी मूर्त रूप लिया और नए आविष्कारों का आधार बनीं। सॉफ्ट साइंस फिक्शन मनोविज्ञान, पॉलिटिकल साइंस, इकोनॉमिक्स, न्यूरो साइंस और सोशियोलॉजी से आइडिया लेती हैं। ये कहानियां ज्यादातर भावनाओं और कैरेक्टर्स पर आधारित होती हैं। सामाजिक और सॉफ्ट विज्ञान कथाएं काफी हद तक काल्पनिक होती हैं। अलौकिक विज्ञान कथाओं में अद्भुत क्षमता संपन्न मनुष्यों की कल्पना और सुपरमैन जैसे पात्रों की कल्पना की जाती है। स्पेस ओपेरा में अंतरिक्ष पर दूसरे ग्रहों की दुनिया पर आधारित कहानी होती है। वहीं टाइम ट्रैवल में ऐसा कथानक बुना जाता है, जो किसी पात्र को अचानक बहुत समय बाद के कालखंड में मौजूद दिखाता है।

कई आविष्कारों की प्रेरणा हैं विज्ञान कथाएं

विज्ञान कथाएं कई उपयोगी आविष्कारों की प्रेरणा बन चुकी हैं, ऐसा खुद आविष्कारकों और वैज्ञानिकों ने स्वीकार किया है। जूल्स वर्न का विज्ञान उपन्यास 'रॉबर द कंकरर', जिसका दूसरा नाम है 'क्लिपर ऑफ द क्लाउड्स' में उड़ान भरने वाली मशीन अल्बाट्रॉस का विवरण है। इससे प्रेरित होकर अमेरिकी विशेषज्ञ आई गोर सिकोर्स्की ने हेलीकॉप्टर डिजाइन किया। रॉकेट की प्रेरणा अमेरिकी वैज्ञानिक रॉबर्ट गोडर्ड को ब्रिटिश विज्ञान कथा लेखन एचजी वेल्स की पुस्तक 'द वॉर ऑफ वर्ल्ड' से मिली। ह्यूमनायड रोबोट की प्रेरणा जापान के रोबोट विज्ञानी टोमोटाका ताकहासी को 'एस्ट्रोबॉय' कॉमिक्स से मिली। WWW यानी वर्ल्ड वाइड वेब का आइडिया ऑथर सी क्लार्क की शॉर्ट स्टोरी 'डायल एफ फॉर फ्रैंकस्टीन' से मिला, ऐसा खुद इन वैज्ञानिकों ने स्वीकार किया है। *

पहली विज्ञान कथा

दुनिया की पहली विज्ञान कथा 1616 में जर्मन लेखक जोहान वेलेंटीन एंड्रिए लिखित उपन्यास 'द केमिकल वेडिंग' को माना जाता है। इस उपन्यास की कहानी एक ऐसे व्यक्ति की है, जिसे एक पंख वाली महिला की रहस्यमयी शाही शादी में आमंत्रित किया जाता है। भारत में विज्ञान कथाओं की विधिवत शुरुआत 1896 से मानी जाती है। प्रसिद्ध वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस ने 1896 में बांग्ला भाषा में 'आओबो' और 'पलातक तूफान' के नाम से विज्ञान कथाएं लिखी थीं। कुछ लोग 1905 में रुकैया शेखावत हुसैन द्वारा लिखित 'सुल्तान का सपना' को पहली विज्ञान कथा मानते हैं, जो 'द इंडियन लेडीज' मैगजीन में छपी थी। हालांकि 1882 में विज्ञान दर्पण में हेमलाल दत्त की कहानी 'रहस्य', 1884 में पंडित अंबिका दत्त व्यास द्वारा लिखित 'आश्चर्य वृतांत', 1892 में जगदानंद राय द्वारा लिखित 'शुक्र भ्रमण' शुरुआती विज्ञान कथाएं मानी जाती हैं। विज्ञान कथा या साइंस फिक्शन शब्द का प्रयोग भले ही बाद में शुरू हुआ हो लेकिन विज्ञान कथाएं बहुत पहले से किसी न किसी रूप में लिखी-पढ़ी जाती रही हैं।

स्पेस के नजारे दिखाते प्लेनेटोरियम

बच्चों, अगर तुम्हें खगोल विज्ञान मतलब कि सूर्य, चंद्रमा और तारों से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी चाहिए तो तारामंडल में जाकर ले सकते हो। ये तारामंडल अपने देश में कहां-कहां है? यहां जाकर तुम कैसे खगोल विज्ञान से जुड़ी जानकारी रोचक, सरल ढंग से पा सकते हो, जानो।

जानकारी

प्लेनेटोरियम को हम हिंदी में ताराघर या तारामंडल भी कहते हैं। वास्तव में यह एक ऐसा भवन होता है, जहां लोगों को खगोल विज्ञान से जुड़ी ज्ञानवर्धक जानकारियां मनोरंजक ढंग से दी जाती हैं।

ऐसा बना होता है तारामंडल: आमतौर पर तारामंडल में गुंबद के आकार की छत होती है, इसके इर्द-गिर्द दर्शकों के बैठने के लिए स्टेडियम के तरह का हॉल होता है। इस विशेष हॉल में एक प्रोजेक्टर गुंबददार छत पर उभरे रही छवियों पर रोशनी डालकर उन्हें चमकाता है। इन छवियों से संबंधित जरूरी जानकारियां वहां बैठे लोगों को कमेंट्री करके दी जाती है।

कोई निश्चित आकार नहीं होता: तारामंडल का कोई निश्चित आकार नहीं होता, लेकिन जिसे दुनिया का प्लेनेटोरियम नंबर वन कहा जाता है, वह तारामंडल रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में स्थित है। इसके गुंबद का आकार 37 मीटर है।

भारत में कितने हैं तारामंडल: भारत में 30 तारामंडल हैं। इनमें चार सबसे मशहूर हैं, जो क्रमशः मुंबई, नई दिल्ली, बैंग्लुरु और प्रयागराज में स्थित हैं। जहां तक देश के पहले तारामंडल की बात है, यह सितंबर 1962 में कोलकाता में शुरू हुआ था। एमपी बिड़ला ताराघर की बात है, यह सितंबर 1962 में कोलकाता में शुरू हुआ था।

देते हैं खगोलीय पिंडों की जानकारी: बच्चों, जब इन तारामंडलों में लोग अंधेरे में बैठकर गुंबद की ओर देखते हैं, तो ऐसा आभास होता है, जैसे हम किसी खुले स्थान में बैठे हुए आकाश की छटा देख रहे हों। यहां विभिन्न ग्रह-उपग्रह और तारे चलते हुए प्रतीत होते हैं। खगोलीय पिंडों के विषय में जानकारी प्रदान करने वाले ये बड़े ही उपयोगी तारामंडल हैं। इनके जरिए सूर्य, चंद्रमा और तारों की आकाश में होने वाली वार्षिक गतिविधियों को बहुत अच्छी तरह से चंद मिनटों में देखा और समझा जा सकता है।

ऐसे हैं आधुनिक तारामंडल: आधुनिक तारामंडलों (प्लेनेटोरियम) में स्लाइड दिखलाने वाले प्रोजेक्टर लगे रहते हैं। इनके द्वारा अंतरिक्ष यात्राओं और दूसरे ग्रहों पर उतरने के दृश्य भी दिखलाए जाते हैं।

बढ़ता जा रहा है महत्व: तारामंडलों का महत्व अंतरिक्ष संबंधी ज्ञान बढ़ने के साथ ही बढ़ता जा रहा है। प्रदूषण, बादल, कुहरे आदि के कारण आकाश में किसी ग्रह या तारे का पता लगाना बहुत कठिन होता है, लेकिन इन्हें हम तारामंडल में सरलता से देख सकते हैं। उनकी स्थिति, विवरण और गति आदि की पूरी जानकारी भी हमें मिल जाती है। प्लेनेटोरियम की रचना बहुत ही जटिल होती है। इसमें बहुत से लेंस, प्रिज्म और दर्पण लगे होते हैं। अमेरिका के सैनफ्रांसिस्को शहर में स्थित प्लेनेटोरियम में लगभग 25,000 छोटे-बड़े यंत्र हैं। इस प्रोजेक्टर का वजन लगभग 2.5 टन है। सबसे पहला प्लेनेटोरियम जीज ऑप्टिकल कंपनी, पूर्वी जर्मनी के वाल्टर ने 1923 में बनाया था। आज संसार के सभी देशों में बड़े-बड़े शहरों में प्लेनेटोरियम बने हुए हैं, जिनसे दर्शक अपने ज्ञान की वृद्धि करते हैं। *

प्रस्तुति : एफएमएन

तुम्हारे लिए नई किताब

समीर गांगुली

मशीनों का सत्याग्रह

बच्चों, पहले कुछ बड़े बच्चों यानी किशोर पाठकों के लिए हिंदी में स्तरीय विज्ञान कथाएं पढ़ने को कम मिलती थीं, लेकिन अब लिखी जा रही हैं। इन्हीं विज्ञान कथाओं में आया है नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित एक रोचक विज्ञान फैंटेसी उपन्यास 'मशीनों का सत्याग्रह'। इसके लेखक हैं सूर्यनाथ सिंह, जिन्हें इससे पहले 'कौतुक एप' नामक साइंस फिक्शन यानी विज्ञान कल्प कथा पर साहित्य अकादमी का बाल साहित्य पुरस्कार मिल चुका है। 'मशीनों का सत्याग्रह' में एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस युक्त रोबोट्स द्वारा संचालित और नियंत्रित भविष्य की अतिविकसित दुनिया की रोमांचक कहानी है। सोचो जरा, अगर ये इंटेलीजेंट रोबोट्स एक दिन सामूहिक रूप से विद्रोह पर उतर आए तो दुनिया का क्या हाल होगा? उपन्यास की शुरुआत बाइसवीं सदी के पहले दिन नए वर्ष के उत्सव और उल्लास के माहौल से होती है। उस दौर के भविष्य की कल्पना बहुत ही रोचक अंदाज में करने के साथ ही उस समय के पर्यावरण की स्थिति को भी इसमें दिखाया गया है। सबसे अधिक रोमांच तो तब होता है, जब उत्सव के उस माहौल में अचानक खबर आती है कि रोबोट्स सत्याग्रह करते हुए सड़कों पर उतर आए हैं। फिर क्या होता है, जानने के लिए तुम्हें यह उपन्यास पढ़ना होगा। बच्चों, लेखक ने इस बात का ध्यान रखा है कि तुम तकनीकी शब्दावली और टेक्नोलॉजी की जटिलता में न उलझ कर एक रोमांचक कहानी का मजा लो। बच्चों, इसे तुम नेशनल बुक ट्रस्ट के पोर्टल या ऑनलाइन या फिर नेशनल बुक ट्रस्ट के किसी स्टोर से खरीद सकते हो। *

किताब: मशीनों का सत्याग्रह, **लेखक:** सूर्यनाथ सिंह,
मूल्य:110 रुपए, **प्रकाशक:** नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली

विज्ञान कथा

जाकिर अली 'रजनीश'

करम के दिमाग में एक दिन आया कि क्यों न वह एक ऐसा रोबोट बनाए, जो उसका होमवर्क कर दिया करे। बाजार से सारे कल-पुर्जे मंगवा कर करम ने एक रोबोट बना भी लिया, लेकिन जब उसने रोबोट से होमवर्क के सवाल करने को कहा तो उसने कोई रेस्पॉन्स नहीं दिया। रोबोट ने करम का होमवर्क क्यों नहीं किया?

इससे तो अच्छा...

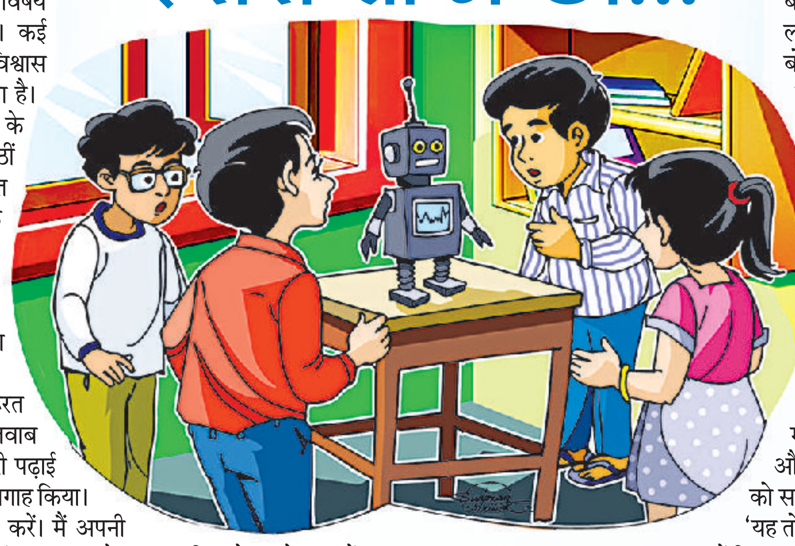

अखबार में रोबोट का विज्ञापन देखकर करम के दिमाग में एक विचार कौंधा, 'क्यों न एक ऐसा रोबोट बनाया जाए, जो मेरा होमवर्क कर दिया करे।'

यह सोचकर करम रोमांचित हो उठा। अपनी सोच को अमलीजामा पहनाने के लिए उसने कंप्यूटर की मदद ली। उसने इस विषय की किताबें खोज-खोज कर पढ़ीं। कई किताबों को पढ़ने के बाद करम को विश्वास हो गया कि वह भी रोबोट बना सकता है। मन में यह विश्वास आते ही वह अम्मी के पास पहुंचा। वह उस समय बेड पर बैठीं टीवी देख रही थीं। करम उनसे बहुत प्यार से बोला, 'अम्मीजान, मैं एक रोबोट बनाना चाहता हूं।'

'अरे वाह, यह तो बहुत अच्छी बात है!' अम्मी ने रोमांचित होकर पूछा, 'लेकिन बेटा, क्या तुम रोबोट बना पाओगे?'

'हां अम्मी, बस कुछ रुपयों की जरूरत पड़ेगी।' करम ने पूरे विश्वास के साथ जवाब दिया। 'ठीक है, लेकिन इससे तुम्हारी पढ़ाई नहीं डिस्टर्ब होनी चाहिए।' अम्मी ने आगाह किया।

'जी अम्मी, आप मुझ पर यकीन करें। मैं अपनी स्टडी बिल्कुल भी डिस्टर्ब नहीं होने दूंगा।' करम ने वादा किया। अम्मी को मालूम था कि करम धुन का पक्का है। वह जो ठान लेता है, करके ही मानता है। इसलिए उन्होंने उसे जरूरत के मुताबिक रुपए दे दिए। करम ने अम्मी का शुक्रिया अदा किया और अपने काम में लग गया।

सबसे पहले करम ने गूगल से रोबोट के कल-पुर्जे बनाने वाली दुकान का पता खोजा, फिर अपनी जरूरत का सामान ऑर्डर कर दिया। रोबोट के कल-पुर्जे वाली दुकान करम के शहर में थी। शाम तक करम का सारा सामान घर पर आ गया। करम ने अपने स्टडी रूम को प्रयोगशाला में बदल दिया और रोबोट बनाने में जुट गया। इस काम में उसे काफी मेहनत करनी पड़ी। जहां कहीं पर वह अटकता, गूगल की मदद ले लेता। इस तरह उसकी समस्या हल हो जाती। वह फिर से अपने काम में जुट जाता।

अंततः करम की मेहनत रंग लाई। उसका रोबोट तैयार हो गया। अपनी इस सफलता पर करम फूला नहीं समाया। उसने रोबोट का नाम रखा-रेंचो।

करम का रोबोट देखकर अम्मी-अब्बा गदगद हो उठे। उन्होंने दिल खोल कर करम की तारीफ की। करम ने अपने दोस्तों को घर बुला कर अपना रोबोट दिखाया। उसके सारे दोस्त भौंचक्के रह गए। सुमित बोला, 'क्या यह सचमुच में होमवर्क के सवाल हल कर पाएगा?'

'क्यों नहीं!' करम मुस्कुराया। उसने रोबोट को आदेश दिया, 'रेंचो, मुझे होमवर्क में जो सवाल हल करने को मिले हैं, उन्हें करके दो।'

रोबोट शांत खड़ा रहा। जैसे उसने करम की बात सुनी ही न हो। यह देखकर करम के दोस्त मुस्कुराने लगे। करम ने रोबोट को दुबारा आदेश दिया, 'रेंचो, तुमने सुना नहीं? मेरा होमवर्क करो।'

लेकिन रोबोट इस बार भी कुछ नहीं बोला। उसके पेट पर लगी स्क्रीन पर कोई संदेश उभर रहा था, लेकिन करम ने उस पर ध्यान नहीं दिया। उसने गुस्से में रोबोट के गाल पर एक झापड़ रसीद कर दिया।

रोबोट लोहे का बना हुआ था। इसलिए करम का हाथ झन्ना गया। वह हाथ पकड़कर बैठ गया और रोबोट को बुरा-भला कहने लगा। तभी करम के अब्बा वहां आ गए। वह बोले, 'यह क्या कर रहे हो बेटा? तुम अपना गुस्सा रोबोट पर क्यों उतार रहे हो?'

'अब्बा, यह मेरा कहना नहीं मानता।' करम गुस्से में बोला।

अब्बा बोले, 'इसमें इसकी क्या गलती?'

'गलती क्यों नहीं है अब्बा?' करम ने सवाल किया,'मैंने आखिर इसे होमवर्क करने के लिए ही तो बनाया है?'

'हां, पर तुमने सिर्फ एक लोहे का ढांचा बनाया है। अगर तुम चाहते हो कि यह सवाल भी हल करे, तो तुम्हें इसके मस्तिष्क में प्रोग्राम करके गणित के सूत्र भी डालने होंगे और यह एक मुश्किल काम है।' अब्बा ने करम को समझाया।

'यह तो मुश्किल काम है।' करम ने बुझे मन से पूछा, 'इसमें कितना समय लगेगा?'

'इसमें दो-तीन साल भी लग सकते हैं। इसके लिए तुम्हें प्रोग्रामिंग सीखनी होगी, सवालों के सूत्रों को कोड में बदलना होगा, फिर उन्हें रोबोट के मस्तिष्क में...।' अब्बा ने बताया।

करम अब्बा की बात बीच में ही काटते हुए बोला, 'इससे तो अच्छा है कि मैं अपने सवाल खुद ही हल कर लूं।'

तभी करम की आंख खुल गई। यह क्या? क्या वह सपना देख रहा था? हां, वह तो मेज पर सिर रख कर सो गया था। शायद अम्मी के पैरों की आहट सुनकर उसकी नींद टूटी थी।

उसी समय अम्मी वहां आ गईं, बोलीं, 'क्या सोच रहे हो बेटा?'

'ज... जी कुछ नहीं।' करम चौंकते हुए बोला और फिर सवाल सॉल्व करने में व्यस्त हो गया। *

कविता

अखिलेश श्रीवास्तव 'चमन'

मानव शरीर

भैया यह मानव शरीर है
चलती-फिरती मशीन।
भांति-भांति के लगे हैं पुर्जे
काम हैं जिनके बड़े महीन।
जैसे भवन बना करते
ढेरों ईंटों के मेल से।
वैसे बना शरीर हमारा
छोटे-छोटे सेल से।
पेट हमारी भट्ठी जिसमें
खाद्य पदार्थ जला करते।
अम्ल, क्षार और रस में घुलकर
हर कोशिका को मिला करते।
जैसे कि पंपिंग मशीन
हर घर में जल पहुंचाता है।
वैसे ही सारे अंगों में
हृदय रक्त दौड़ाता है।
शोधक यंत्र हमारे गुर्दे
नियमित काम किया करते।
अच्छी चीजें रख लेते और
गंदा फेंक दिया करते।
खोजी यंत्र हमारी आंखें
देतीं दिमाग को हर संदेश।
कंप्यूटर दिमाग निर्णय लेता
देता है अंगों को आदेश।

जीके क्विज-143

1. किस वैज्ञानिक की खोज की स्मृति में प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है?
2. किस भारतीय वैज्ञानिक ने सर्वप्रथम पता लगाया कि पेड़-पौधों में भी जीवन होता है?
3. भारत में परमाणु कार्यक्रम की शुरुआत का श्रेय किस वैज्ञानिक को जाता है?
4. किस भारतीय वैज्ञानिक को 'मिसाइल मैन' के नाम से जाना जाता है?
5. भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का मुख्यालय कहां स्थित है?
6. खगोलीय वेधशाला 'जंतर मंतर' का निर्माण किस शासक ने करवाया था?
7. भारत के 26वें मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में किसे नियुक्त किया गया है?
8. हाल ही में यूके में मानद नाइटहुड की उपाधि से किसे सम्मानित किया गया है?
9. किस भारतीय स्वाधीनता सेनानी को 'देशबंधु' के नाम से जाना जाता है?
10. 'वेदों की ओर लौटो' का नारा किसने दिया था?

बच्चों, जीके क्विज-143 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-142 का उत्तर : 1.विराट कोहली, 2.पंकज आडवाणी, 3.रेखा गुप्ता, 4.रोलेट एक्ट (1919), 5. 22 दिसंबर, 6.आर.के. नारायण, 7.विटामिन डी, 8.हाइड्रोजन, 9.नाइक्रोम, 10.आर्यभट्ट

जीके क्विज-142 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, रमेश-रायगढ़, रोहित-बिलासपुर, अंजना-बालोद, साकेत-दुर्ग, ज्योति-बलौदा बाजार, अंकित-रोहतक, अनिता-महासमुंद, दिव्या-महेंद्रगढ़, कशिश-भोपाल, अमन-रायपुर

अंतर बताओ

बच्चों, यहां लैब में एक्सपेरिमेंट कर रहे साइंटिस्ट के एक समान दिखने वाले दो चित्र दिए गए हैं। इन चित्रों में 7 अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये सभी अंतर खोजकर बताने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट सारे अंतर बताओ।

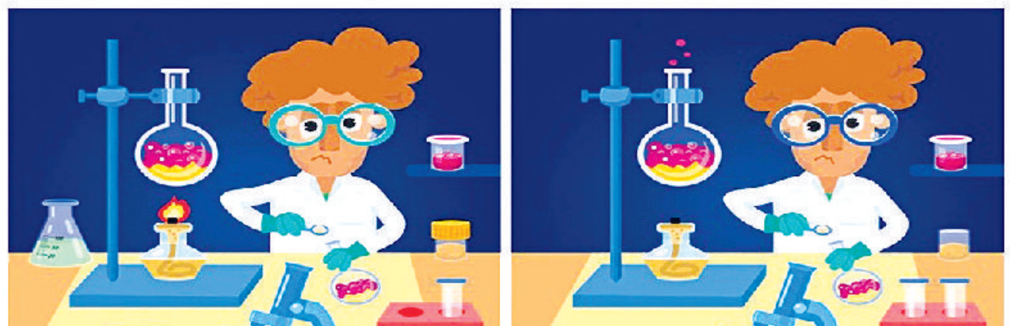

उत्तर: 1.पीछे बाईं तरफ रखा बीकर गायब है। 2.अल्कोहल बर्नर नहीं जल रहा है। 3.एर्लेनमेयर फ्लास्क के ऊपर बबल्स निकल रहे हैं। 4.आगे बाईं तरफ रखा जार गायब है। 5.आगे, दाहिनी तरफ टेस्ट-ट्यूब रैक पर एक के बजाय दो टेस्ट-ट्यूब्स रखे हैं। 6.दाहिनी तरफ रखे जार का ढक्कन खुला हुआ है। 7.साइंटिस्ट के चश्मे का फ्रेम डिफरेंट कलर का है।

ढूंढो तो जरा...

बच्चों, दिए गए चित्र में नीचे सोलर सिस्टम और स्पेस रिसर्च से रिलेटेड जुड़े कुछ टर्म्स दिए गए हैं। तुम ऊपर बॉक्सेज में से उन टर्म्स को ढूंढकर बताओ।

O	Y	J	U	A	X	I	K	H	N	S
I	S	H	U	T	T	L	E	C	A	P
W	R	N	G	R	X	B	A	Q	S	A
G	R	A	V	I	T	Y	S	H	A	C
A	T	M	O	S	P	H	E	R	E	E
Y	P	L	A	N	E	T	F	V	D	M
T	C	E	X	P	L	O	R	E	S	E
T	L	A	U	N	C	H	X	N	O	T
J	P	Y	M	C	A	P	S	U	L	E
N	C	Q	X	R	D	P	O	S	A	O
H	F	N	Y	Y	L	G	J	H	R	R

LAUNCH
VENUS
SHUTTLE
PLANET
CAPSULE
ATMOSPHERE
EXPLORE
NASA
GRAVITY
METEOR
SOLAR
SPACE

खबर संक्षेप

मतदाता अपने निकाय क्षेत्र के उम्मीदवारों की ले सकते हैं जानकारी

भिवानी। उपायुक्त महावीर कौशिक ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग हरियाणा द्वारा राज्य के मतदाताओं की सहूलियत के लिए विभिन्न सेवाएं शुरू की गई है, इन्हीं में से एक है केवाईसी (नो योर कैंडिडेट) जिसके जरिए मतदाता अपने निकाय क्षेत्र के उम्मीदवारों के बारे में आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकता है।

महाशिवरात्रि पर सुरतामाई धाम में सत्संग व भंडारा

भिवानी। सुरतामाई धाम में महाशिवरात्रि की संध्या पर हवन-यज्ञ व भंडारे का आयोजन किया। भंडारे का शुभारंभ सुरतामाई के शिषय कल्लूनाथ महाराज के शिषय एवं महंत जीतूनाथ महाराज ने मंदिर में स्थापित भगवान शिव के शिवलिंग पर जलाभिषेक करके किया। इस दौरान सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया और भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।

श्रीमहाकालेश्वर मंदिर में की शिवलिंग की स्थापना

भिवानी। तिगड़ी तिगड़ाना में जींद रोड पर निर्माणाधीन श्रीमहाकालेश्वर शिव मंदिर में महाशिवरात्रि पर जयश्री महाकाल सेवा ट्रस्ट ने प्रथम शिवलिंग स्थापना, सत्संग-भजन एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। रमेश कुमार बुद्धिराजा ने बताया कि शिवलिंग की स्थापना हवन-यज्ञ के साथ की गई। सत्संग-भजन में भक्तजनों ने मधुरवाणी से भगवान शिव व मां पार्वती की महिमां का गुणगान किया।

आचार संहिता की पालना सुनिश्चित करें प्रत्याशी

भिवानी। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी महावीर कौशिक ने कहा कि सभी राजनीतिक दल व प्रत्याशी शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में आदर्श आचार संहिता की पालना करना सुनिश्चित करें।

शिविर में फैमिली आईडी, पेंशन, आधार कार्ड, राजस्व संबंधी समस्याएं सुनीं

समस्याओं के समाधान के लिए किए जा रहे हरसंभव प्रयासः डीसी

■ नगराधीश अनिल कुमार ने सुनीं लोगों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। समाधान शिविर में लोगों की शिकायतें सुनते जिप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजय चोपड़ा तथा नगराधीश अनिल कुमार। फोटो : हरिभूमि

उपायुक्त महावीर कौशिक ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर में लोगों की समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रशासन हरसंभव प्रयास कर रहा है।

शिविर में लोगों की समस्याओं का समाधान करने के लिए अधिकारी को तत्परता से काम करने के निर्देश दिए गए हैं। डीसी कौशिक ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के दिशा निर्देशानुसार जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर प्रत्येक कार्य दिवस में समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों के आयोजन का मुख्य उद्देश्य आमजन की शिकायतों का मौके पर निपटान करना है और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों व परिवारों को सुनिश्चित करना है। उपायुक्त कौशिक के मार्गदर्शन में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजय चोपड़ा व नगराधीश अनिल कुमार ने समाधान शिविर में लोगों की शिकायतें सुनीं। शिकायतों के निपटान के बारे में संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए। दोनों अधिकारियों ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा समाधान शिविरों में लोगों की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निवारण किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि लोगों की समस्याओं का समाधान करने के लिए अधिकारी तत्परता से काम कर रहे हैं। शिविर में फैमिली आईडी, पेंशन, आधार कार्ड, राजस्व, पुलिस व अन्य रोजमर्रा की समस्याओं को सुना गया और उनके समाधान के बारे में मौके पर ही दिशा निर्देश जारी कर दिए गए।

भिवानी। समाधान शिविर में समस्या सुनते एसडीएम आशीष सांगवान।

एक छत के नीचे हो रहा समस्याओं का समाधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

जिला के सभी विभागों के अधिकारी सुनिश्चित करें कि समाधान शिविर में आने वाली समस्याओं का समाधान तीव्रता से किया जाए। इस कार्य में कोताही किसी भी तरह से बर्दास्त नहीं होगी। सरकार की ओर से जनमानस की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए ही इस नई व्यवस्था की पहल की गई है। उपायुक्त मुनीश शर्मा के निर्देशों पर वीरवार को एसडीएम आशीष सांगवान ने लोगों की समस्याएं सुनीं और कहा कि प्रदेश सरकार की ओर से आम लोगों को राहत देते हुए समाधान शिविर की नई एवं अनोखी पहल की है, ताकि लोगों की समस्याओं का समाधान एक छत के नीचे और मौके पर ही किया जा सके। उन्होंने कहा कि लोगों को अलग अलग कार्यालयों के चक्कर ना लगाने पड़े, इसीलिए सरकार के निर्देशों के अनुसार जिला के विभिन्न विभागों के अधिकारी शिविर में मौजूद रहते हैं। ऐसे में सभी अधिकारी उनको भेजी जाने वाली समस्याओं का तीव्रता से समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार के आदेश अनुसार जिला मुख्यालय पर प्रतिदिन आयोजित किया जा रहा समाधान शिविर आम जनमानस के लिए काफी हितकारी साबित हो रहा है।

अमावस्या पर वितरित किया प्रसाद

■ महाराजा अग्रसेन के पढ़ाए जनसेवा पाठ का अनुसरण कर रहा श्रीअग्रवंश परिवार : गोयल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। महाराजा अग्रसेन को नमन करते श्रीअग्रवंश परिवार के अध्यक्ष नरेश गोयल व अन्य। फोटो : हरिभूमि

महाराजा अग्रसेन ने समाज को एक-दूसरे की मदद करने का पाठ पढ़ाया था, क्योंकि उनका मानना था कि समाज में सभी लोग एक-दूसरे के पूरक होते है तथा एक-दूसरे की मदद कर ही एक सभ्य समाज की संरचना की जा सकती है।

रमहाराजा अग्रसेन के दिखाए मार्ग पर चलते हुए श्रीअग्रवंश परिवार द्वारा हर माह की भांति अमावस्या पर रोहतक गेट स्थित श्रीअग्रसेन चौक पर प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रसाद वितरण की शुरूआत महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा की समक्ष नमन करके की। परिवार के अध्यक्ष नरेश गोयल ने बताया कि महाराजा अग्रसेन ने अपने शासनकाल के दौरान एक ईंट-एक रूपया की प्रथा शुरू की थी, ताकि प्रत्येक जरूरतमंद की मदद की जा सकें। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन द्वारा पढ़ाए गए जनसेवा के पाठ का अनुसरण करते हुए श्रीअग्रवंश परिवार द्वारा हर माह अमावस्या पर प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। वहीं दूसरी तरफ प्रसाद वितरण करने से पुण्य भी मिलता है। अमावस्या पर प्रसाद वितरण करने से न केवल धार्मिक लाभ मिलता है, बल्कि मानसिक शांति, पारिवारिक सुख और समृद्धि भी प्राप्त होती है। इस अवसर पर महासचिव मनीष गोयल, विष्णु केडिया, अनिल तोशामिया, सुरेश पनवाड़ी, अजीत फौजी, कमल बंसल, विजय बंसल, अमित गोयल, सतीश आदि मौजूद रहे।

भिवानी जिले के विकास के लिए तत्पर है किरण चौधरी और श्रुति

जिले को दी करोड़ों के विकास कार्यों की सौगातः वाल्मीकि

■ ्रदेशभर की जनता भाजपा की कार्यप्रणाली से काफी खुश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

■ कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी और सांसद किरण चौधरी जिले के विकास को लेकर गंभीर

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राज्यसभा सांसद किरण चौधरी व सिंचाई एवं जल संसाधन और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी के नेतृत्व में प्रदेश के समान एवं पूर्ण विकास की तरफ गंभीरता से कार्य किया जा रहा है, ये बात वरिष्ठ भाजपा नेता जयसिंह वाल्मीकि ने प्रेस को जारी ब्यान में कही। उन्होंने कहा कि आज प्रदेशभर की जनता भाजपा की कार्यप्रणाली से काफी खुश है।

वहीं राज्यसभा सांसद किरण चौधरी एवं केबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी भिवानी जिले के विकास के लिए तत्पर है, जिसका उदाहरण बीते तीन दिनों के दौरे के दौरान उनके द्वारा भिवानी जिला को करोड़ों रूपयों के विकास कार्यो की सौगात देना है। कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी का एक दिन व राज्यसभा सांसद किरण चौधरी का दो दिन का भिवानी जिले का दौरा था। उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनते हुए उनकी मांग अनुसार विकास कार्यो की घोषणा की तथा तीन दिनों के दौरे के दौरान किरण चौधरी व श्रुति चौधरी ने भिवानी जिला को करोड़ों रुपये के विकास कार्यो की सौगात दी, जिसके चलते भिवानी जिला के लोगों में खुशी है।

केहरि सिंह को प्रदेश सचिव की जिम्मेदारी

■ बीपीएचओ की प्रदेश कार्यकारिणी का गठन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भारतीय प्रजापति हिरोज आर्गेनाईजेशन (बीपीएचओ) की उच्चाधिकार समिति के सदस्य सत्यनारायण प्रजापति, प्रजापति रमेश टाक, दिनेश प्रजापति, सतीश सरोहा प्रजापति, जयभगवान प्रजापति, होशियार प्रजापति, पंकज कुंभार, केडी सिंह प्रजापति, राष्ट्रीय अध्यक्ष बसंत चक्रधारी की अनुशंसा से राजस्थान इकाई के प्रदेश अध्यक्ष अशोक प्रजापति ने बीपीएचओ की राजस्थान की प्रदेश कार्यकारिणी का गठन किया। बीपीएचओ के सहसंस्थापक रमेश टांक ने बताया कि नई कार्यकारिणी में रमेश बासनीवाल डूंगरगढ़, भूपेंद्र प्रजापति अलवर, बद्री लाल प्रजापत झालामंड, विश्वास प्रजापति नाथद्वारा, भगवानलाल प्रजापति अजमेर, ओमप्रकाश मारवाल बीकानेर को प्रदेश उपाध्यक्ष, विजय लखेसर अनुपगढ़ को प्रदेश मुख्य महासचिव, नोरतन प्रजापति लाडनू को प्रदेश कोषाध्यक्ष, रामचंद्र प्रजापति प्रतापगढ़, मोरपाल पोर्टर कोटा व केहरि सिंह प्रजापति को प्रदेश सचिव की जिम्मेवारी सौंपी।

दिलवाई शपथ

सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई गई। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने कहा कि बीपीएचओ द्वारा उन पर जो विश्वास जताया गया है, उस विश्वास को वे कायम रखेंगे तथा बीपीएचओ के मूल उद्देश्यों पर चलते हुए समाजहित की दिशा में पूरी निष्ठा एवं मेहनत से कार्य करेंगे।

गांव खावा के निर्माणाधीन किसान भवन में वैदिक पैथी क्लीनिक की शुरूआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

भिवानी। गांव खावा के निर्माणाधीन किसान भवन में वैदिक पैथी क्लीनिक के शुभारंभ पर पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

गौ किसान समृद्धि ट्रस्ट द्वारा क्षेत्र के गांव खावा में निर्माणाधीन किसान भवन एवं किसान योद्धा मंगल सिंह खरेटा समाधि स्थल में वैदिक पैथी क्लीनिक की शुरूआत की गई। क्लीनिक का उद्घाटन रिबन काटकर ट्रस्ट के प्रचार मंत्री मास्टर रूघबीर भेरा ने किया।

क्लीनिक में वैदिक पैथी के हैल्थ वर्कर रामअवतार दलाल स्थाई रूप से बैठेंगे। गौ किसान समृद्धि ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष व किसान भवन के संचालक युद्धवीर मंगल सिंह खरेटा ने बताया कि क्लीनिक गौ किसान समृद्धि ट्रस्ट के अध्यक्ष महेंद्र सिंह गोदारा की अध्यक्षता में निरंतर चलाया जा रहा बेरोजगारी बीमारी उन्मूलन अभियान के तहत खोला गया है। उन्होंने बताया कि यहां से बेरोजगार युवा, युवतियों को प्रशिक्षण भी देकर गांव-गांव में ऐसे क्लीनिक खुलवाए जाएगे, जिससे एक तरफ जहां वैदिक पैथी पद्धति का प्रचार होगा तथा दूसरी तरफ युवक-युवतियां स्वरोजगार से जुड़ेंगे, जिससे बेरोजगारी की समस्या भी खत्म होगी। मा. रूघबीर भेरा ने बताया कि यहां एकूप्रेसर, एकुपेंचर एवं आयुर्वेदा तकनीक से हर बीमारी का ईलाज बारे लोगों को जागरूक किया जाएगा। विशेष रूप से आधुनिक मशीनों द्वारा शरीर के सभी अंगों की जांच बिना खून, पेशाब व बिना एमआरआई के की जाएगी। इसके अलावा नसों से संबंधित समस्याओं का भी समाधान होगा। एकुप्रेसर, एकुपेंचर के जानकार रामअवतार दलाल ने बताया कि वैदिक चिकित्सा पद्धति है विश्व की पांच हजार वर्ष पुरानी पद्धति है, जिसे लोग भूलते जा रहे थे, लेकिन अब इसे भारत सरकार ने मंजूरी देते हुए पैथी माना है, जिसका दो साल का डिप्लोमा कोर्स भी शुरू किया जा रहा है। इस मौके पर ट्रस्ट के सदस्य मनफुल जटासरा, सरपंच प्रतिनिधि भजनलाल ढूल, पूर्व सरपंच धर्मपाल ढूल, नंबरदार दयानंद, बंसी शर्मा, अजय ढूल, विजय ढूल, मा. बिजेंद्र, मा. संदीप, महक, मन्नत, मुकेश देवी, मोनिका, अल्का, जिज्ञासा, शिल्पा, सज्जन खरेटा, प्रकाश, जयसिंह, रामचंद्र, छत्तर सिंह आदि मौजूद रहे।

बवानीखेड़ा के ढ़ाणी स्थित हनुमान मंदिर में भंडारे में कन्याओं को भोजन करवाते समाजसेवी महेश कुमार महता। फोटो : हरिभूमि

भगवान ने हमें धन एकत्रित करने के लिए नहीं बल्कि इंसान की मदद करने के लिए भेजा है

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा के ढाणी स्थित हनुमान मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन किया। भंडारे का आयोजन समाजसेवी एवं बालाजी मैडिकल हॉल के संचालक महेश कुमार महता ने करवाया। आयोजन में सबसे पहले प्रसाद का भगवान को भोग लगाकर कन्याओं को भोजन खिलाकर शुरूवात की गई। भंडारे में काफी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। नगर पालिका में चेयरमैन प्रत्याशी महेश कुमार महता ने बताया कि इंसान दुनिया में अकेला आता है और अकेला चला जाता है। भगवान ने हमें धन एकत्रित करने के लिए संसार में नहीं भेजा बल्कि इंसान की मदद करने के लिए भेजा है। वहीं उन्होंने बताया कि वे भगवान से जुड़े हुए हैं और ऐसे सामजिक धार्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेते हैं। वहीं भक्तों ने भी महेश कुमार महता के इस धार्मिक कार्य की जमकर सराहना की।

अवैध खनन की मॉनिटरिंग के साथ होगी परमिट की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

भिवानी। डंपर में भरी सामग्री और दस्तावेजों की जांच करते माइनिंग अधिकारी

जिला में किसी भी रूप से अवैध खनन न हो और वैध परमिट के साथ निर्धारित नियमों की पालना करते हुए खनिज परिवहन चलें, इसके लिए खनन विभाग पूरी तरह से सजग एवं सतर्क है। खनन विभाग के महानिदेशक केएम पांडुरंग के निर्देशानुसार जिला के खनन विभाग के अधिकारी दिन रात हर खनन गतिविधि व खनिज वाहनों की परिस्थिति पर नजर रखे हुए हैं।

जिला खनन अधिकारी रिंकू कुमार ने बताया कि जिला में किसी भी क्षेत्र में अवैध खनन नहीं होगा। वे स्वयं अपनी टीम के साथ वाहनों की जांच भी निरन्तर कर रहे हैं। इस दौरान कई मालवाहक वाहनों की जांच की गई और खनिज परिवहन से जुड़े दस्तावेजों की बारिकी से पड़ताल भी की गई। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि सभी मालवाहक गाड़ियों की चेकिंग के साथ-साथ उसमें कितना सामान ले जाया जा रहा है और बिल भी जितना सामान गाड़ी में है, उसी के अनुसार बिल बने हैं या नहीं इस बारे जांच की गई। जांच के दौरान कोई भी गाड़ी बिना बिल के नहीं मिली इसके साथ ही अरावली क्षेत्र की भी निगरानी की गई। खनन अधिकारी ने कहा कि जिला में अवैध खनन अगर कोई करता है तो उस पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से ऐसा करने वालों के बारे में जिला प्रशासन को सूचना देने का भी आह्वान किया। माइनिंग विभाग के पास अवैध खनन के संदर्भ में कोई शिकायत प्राप्त होती है तो विभाग की निरीक्षण टीम और राज्य एनफोर्समेंट ब्यूरो द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कार्यक्रम गुस्से पर नियंत्रण रखेंः विधायक

जिसने जीने की आर्ट को समझा उसे कभी हार्ट अटैक नहीं आता : साधना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा स्थित बाबा कमाल धर्मशाला में महाशिवरात्रि पर कार्यक्रम में द्वीप प्रज्ज्वलित करते विधायक कपूर वाल्मीकि, समाजसेवी सुभाष शर्मा व अन्य।

बवानीखेड़ा स्थित बाबा कमाल धर्मशाला में प्रजापिता ब्रहमकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय शाखा बवानीखेड़ा द्वारा महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें बतौर मुख्यतिथि विधायक कपूर वाल्मीकि, विशिष्ट अतिथि समाजसेवी सुभाष शर्मा, बहन साधना, बिंदु, सुरेन्द्र, नंदलाल महता आदि ने शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत ऊंचा तेरा नाम, ऊंचा तेरा काम, ऊंचा तेरा धाम गीत से की गई। बहन साधना व बिंदु ने उपस्थित जनों को बताया कि जीवन में जब कोई मुसीबत आती है ता हमें परमपिता परमात्मा की याद आती है और तब हम महसूस करते हैं कि कोई उपर शक्ति है।

उन्होंने कहा कि शक्ति है तभी उस शक्ति को भगवान, परमात्मा का नाम दिया गया है। उन्होंने बताया जिसने जीने की आर्ट को समझा उसे कभी हार्ट अटैक नहीं आता। उन्होंने बताया कि गुस्सा सभी को आता है लेकिन एक मिंट का गुस्सा सब कुछ तबाह कर देता है इसलिए हमें उस एक पल के गुस्से पर काबू करना है। उन्होंने बताया कि हम भगवान को उल्हाना देते हैं कि उसने हमें कुछ नहीं दिया। हमारा शरीर 220 करोड़ से भी अधिक कीमत का है। वही विधायक कपूर वाल्मीकि ने बताया कि हमें ऐसे जीवन को नई दिशा देने वाले कार्यक्रमों में जाना चाहिए। यदि एक पल के गुस्से पर काबू पाया जाए तो कोर्ट केस से बचा जा सकता है।

मानव के शरीर का सुप्रीम पॉवर हाउस हैं परमात्माः बीके जमीला

तोशाम। महाशिवरात्रि की संध्या पर तोशाम की पंजाबी धर्मशाला में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय शाखा तोशाम द्वारा त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव के रूप में सर्वधर्म सम्मेलन आयोजित किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यतिथि दीवान चंद रहेजा ने शिरकत की तो कार्यक्रम की अध्यक्षता माउंट आबू से पहुंची बीके जमीला ने की। इस दौरान कुमारी खुशबू आदि सहित नन्हीं बच्चियों ने शिव भजनों पर शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुति पेश की, जिससे कार्यक्रम के दौरान माहौल शिवमय हो गया। बीके जमीला ने कहा कि मानव के शरीर का सुप्रीम पावर हाउस परमात्मा है। मानव ही नहीं बल्कि सभी जीवो के शरीर को चलाना परमात्मा का ही कार्य है। सभी जीवो के शरीर को ऊर्जा देना परमात्मा का ही कार्य है। जैसे ही हम मेडिटेशन के द्वारा परमात्मा से कनेक्ट होते हैं।

खबर संक्षेप

सीमा बुसान ने दौड़ में स्वर्ण पदक जीता

भिवानी। करनाल के कर्ण स्टेडियम में 13वीं हरियाणा यूथ एथलैटिक चैंपियनशिप 26 फरवरी को आयोजित की गई। प्रतियोगिता में सीमा बुसान ने हैपटाथलॉन व 100 मीटर बाधा दौड़ में स्वर्ण पदक जीते। वहीं शबनम बुसान ने भाला फेंक में रजत पदक जीता। बाबा भैरूनाथ स्पोर्टस एथलैटिक नर्सरी चौधरी खेमचन्द स्टेडियम बुसान की दोनों छात्राओं के पूर्व जिला खेल अधिकारी जयसिंह कालीरामना ने बताया कि अब दोनों एथलीट मार्च में राष्ट्रीय यूथ प्रतियोगिता में भाग लेंगी। छात्राओं की सफलता पर बाबा पूर्णनाथ डेरा बुसान में गांव के सरपंच मेहरचन्द, पूर्व डीएसओ विरेन्द्र सिंह, चेतनप्रकाश वर्मा, कृष्णलाल कोच, प्रियंका संडवा ओलम्पियन व चौधरी खेमचन्द स्टेडियम के एथलीटों ने फूलमालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया।

पेयजल समस्या को लेकर क्षेत्रवासियों ने सौंपा ज्ञापन

तोशाम। गांव तोशाम के वार्ड नंबर नौ और दस के निवासियों ने पीने के पानी की गंभीर समस्या को लेकर जनस्वास्थ्य अभियंत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता को ज्ञापन सौंपा। क्षेत्रवासियों ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि एचसीएस ज्योति मितल के घर से लेकर राजकीय मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल तक पानी की सप्लाई बहुत खराब स्थिति में है। राजेंद्र मेघवाल, विजेंद्र शर्मा, विकास, गजेश, ओमप्रकाश, सुन्दर आदि ने बताया कि गली में लगी पुरानी पानी की पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हो चुकी है, जिससे गंदा, काला और बदबूदार पानी घरों में आ रहा है।

स्वतंत्रता सेनानी आजाद की वीरगाथा देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत: रीतिक

स्वतंत्रता संग्राम के महानायक व शहीद चंद्रशेखर आजाद को किया नमन

- निर्भीक और दृढ़ निश्चयी क्रांतिकारी थे आजाद

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिवानी

चंद्रशेखर आजाद का शौर्य ऐसा था कि अंग्रेज भी उनके सामने नतमस्तक हो जाते थे, आजाद ने बचपन से ही आजाद भारत के विचार को जिया व चरितार्थ किया और अंतिम सांस तक आजाद रहे। उनके बलिदान ने स्वाधीनता की जो लौ जगाई वो आज हर भारतवासी के हृदय में देशभक्ति की अमर ज्वाला बन धधक रही है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण करके उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। भाजपा नेता रीतिक वधवा ने शहीद चंद्रशेखर आजाद को नमन करते हुए कहा कि वे एक निर्भीक और दृढ़ निश्चयी क्रांतिकारी थे, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने जीवन की आहुति दे दी। उन्होंने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक कहे जाने वाले शहीद चंद्रशेखर आजाद 1920 से 21 के दौरान गांधी के असहयोग आंदोलन से जुड़ गए और गिरफ्तार हुए। जेल में पेशी के दौरान उन्होंने अपना नाम 'आजाद' पिता का नाम 'स्वतंत्रता' और निवास 'जेल' बताया, जिसके चलते उन्हें 15 कोड़ों की सजा मिली, उनकी वीरता की गाथा प्रत्येक देशवासी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने कहा कि 17 दिसंबर 1928 को चंद्रशेखर आजाद, राजगुरू और भगत सिंह ने लाहौर में पुलिस अधीक्षक के दफ्तर को घेर लिया और जैसे ही साण्डर्स बाहर निकले तो राजगुरू ने उन पर गोली दाग दी, फिर भगत सिंह ने भी साण्डर्स को गोली मारी और वहां से निकल गए। जब साण्डर्स के अंगरक्षक ने उनका पीछा किया तो चंद्रशेखर आजाद ने उसे खत्म कर दिया। अल्फ्रेड पार्क में उन्होंने समाजवादी क्रांति का आह्वान किया, जहां उन्होंने संकल्प लिया कि वह कभी भी पकड़े नहीं जाएंगे और न ही ब्रिटिश सरकार के हाथों मारे जाएंगे और इसी संकल्प को पूरा करने के लिए उन्होंने 27 फरवरी 1931 को इसी पार्क में गोली मारकर देश के लिए खुद की आहुति दे दी।

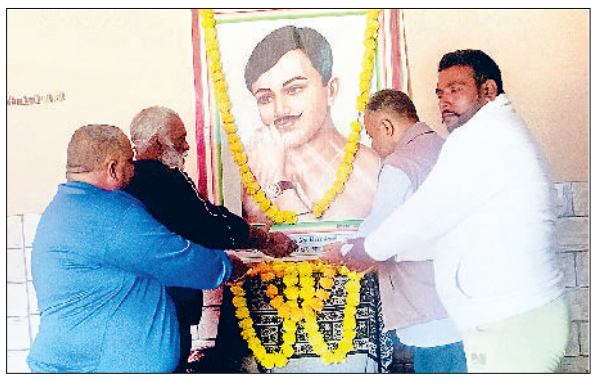

भिवानी। स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद को श्रद्धांजलि देते भाजपा कार्यकर्ता।

भिवानी। शहीद चन्द्रशेखर आजाद को नमन करते स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी कल्याण संगठन के संस्थापक महेन्द्रपाल यादव व अन्य।

आजाद ने लिखी थी वीरता की नई परिभाषा

भिवानी। चन्द्रशेखर आजाद भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के स्वतंत्रता सेनानी थे, वे शहीद राम प्रसाद बिस्मिल व शहीद भगतसिंह सरीखे क्रान्तिकारियों के अनन्यतम साथियों में से थे, ये बात स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी कल्याण संगठन के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्रपाल यादव ने शहीद चन्द्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि चन्द्रशेखर आजाद ने वीरता की नई परिभाषा लिखी थी, उनके बलिदान के बाद उनके द्वारा प्रारम्भ किया गया आन्दोलन और तेज हो गया, उनसे प्रेरणा लेकर हजारों युवक स्वतन्त्रता आन्दोलन में कूद पड़े। आजाद की शहादत के सोलह वर्षों बाद 15 अगस्त 1947 को हिन्दुस्तान की आजादी का उनका सपना पूरा तो हुआ, लेकिन वे उसे जीते जी देख न सके। इस अवसर पर रणबीर सांगवान, धर्मपाल ग्रेवाल, बिजेन्द्र कोंट, सुभाष बामला, रामपाल यादव, सुरजभान बामला, राजेश रोहनात, रामअवतार गुप्ता, प्रकाश धनाना, सुरेश किराड़, सतबीर भैणी, चत्तर जीताखेड़ी आदि उपस्थित रहे।

भिवानी। अतिथियों के साथ विजेता टीम। फोटो :हरिभूमि

इंटर कॉलेज ज्योग्राफी क्विज में आदमपुर कॉलेज की टीम प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▸▸| तोशाम

वीरवार को चौधरी बंसीलाल राजकीय महिला कॉलेज में भूगोल विभाग द्वारा इंटर कॉलेज ज्योग्राफी क्विज कंपटीशन का आयोजन किया। प्रतियोगिता में बतौर मुख्यतिथि अनुज पपरेजा, विशिष्ट अतिथि वीएस फौगाट, महाविद्यालय के कार्यकारी प्राचार्य राजेंद्र और समस्त भूगोल विभाग उपस्थित रहा। प्रतियोगिता में 9 टीमों ने भाग लिया, जो अलग-अलग महाविद्यालय से आई हुई थी, जिसमें राजकीय महाविद्यालय हिसार, राजकीय महिला महाविद्यालय हिसार, जाट कॉलेज हिसार, राजकीय महाविद्यालय आदमपुर, राजकीय महाविद्यालय जींद, जीडी महाविद्यालय बहल, बवानी खेड़ा और राजकीय महिला महाविद्यालय तोशाम आदि टीमों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता में क्विज मास्टर डॉक्टर अनिल कुमार ने प्रतियोगिता के आठ राउंड करवाए, जिसमें बाजी मारते हुए प्रथम स्थान पर एफजीएम राजकीय महाविद्यालय आदमपुर की टीम रही। दूसरे स्थान पर राजकीय महाविद्यालय जींद की टीम रही और तीसरे स्थान पर जाट कॉलेज हिसार की टीम रही। प्रतियोगिता की रनिंग ट्राफी पिछली बार जींद कॉलेज के पास थी अबकी बार वह राजकीय महाविद्यालय आदमपुर ने जीती। भूगोल विभाग की अध्यक्ष ज्योति बोड़वाल ने सभी का महाविद्यालय में पहुंचने पर आभार जताया। मुख्यतिथि श्याम पब्लिकेशन के एमडी अनुज पपरेजा व बतौर विशिष्ट अतिथि वीएस फौगाट ने विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाया। मंच संचालन रामवीर गौरी ने किया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सुरेंद्र चहल, विनोद कुमार, सोनू आदि सहित समस्त स्टाफ सदस्य व विद्यार्थी मौजूद थे।

बच्चों के चहुमुखी विकास में भागीदार बनें:डीईओ

- खंड स्तर पर मॉडल बाल वाटिका विद्यालय किए जाएंगे विकसित : भारद्वाज

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिवानी

जिला स्तरीय कार्यक्रम क्रियान्वयन इकाई की भिवानी जिला की मासिक बैठक वीरवार को जिला एफएलएन समन्वयक कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष भारद्वाज ने की। इस दौरान निपुण लक्ष्यों को लेकर सभी को विस्तृत रूप से दिशा-निर्देश दिए गए। फरवरी मास में जिला पर्यवेक्षण टीम के सदस्यों द्वारा किए गए विद्यालयों के पर्यवेक्षण पर विस्तृत चर्चा की तथा जिला शिक्षा अधिकारी ने पर्यवेक्षण को और प्रभावी बनाने के लिए निर्देश व सुझाव दिए। डीईओ सुभाष भारद्वाज ने कहा कि निपुण मिशन छोटे बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु अत्यंत आवश्यक है, यदि बच्चों की बुनियाद सुदृढ़ होगी, तभी वह बच्चा अपने जीवन में आगे बढ़ पाएगा। उन्होंने सभी उपस्थित अधिकारियों व सदस्यों से आह्वान किया कि सब मिलकर बच्चों पर पूर्ण ध्यान दें व अपना कर्तव्य निष्ठापूर्वक पूर्ण करते हुए बच्चों के चहुमुखी विकास में भागीदार बनें। भारद्वाज ने कहा कि अक्सर बच्चें रटने की प्रवृत्ति से पढ़ते है, उनमें विषय की समझ नहीं बन पाती। ऐसे में निपुण मिशन का मूल उद्देश्य बच्चों में समझ के साथ-साथ पढ़ने एवं गणना करने की दक्षता विकसित करना है। सभी खडों व विद्यालयों में इन गतिविधियों का सक्रिय भागीदारी के साथ आयोजन किया जाना चाहिए। सभी खंड शिक्षा अधिकारी व ब्लॉक एफएलएन समन्वयक अपने-अपने खंड की बीपीआईयू बैठक में निपुण ऐप पर बच्चों को निपुण घोषित करने बारे प्रक्रिया को पूर्ण करें, ताकि उन बच्चों का मूल्यांकन किया जा सकें। उन्होंने डीएसटी टीम के सदस्यों से निरीक्षण के दौरान उनके अनुभव सुनें व उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। डीईओ ने बैठक में बताया कि विभाग द्वारा खंड स्तर पर मॉडल बाल वाटिका विद्यालय विकसित किए जाएंगे, जिनके लिए जिला भिवानी के सात विद्यालयों का छात्रों की संख्या व पढ़ाई के स्तर के आधार पर चयन किया है। इस अवसर पर जिला समन्वयक ललित कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी अनिल शर्मा, विजय प्रभा, डीआईईटी प्रवक्ता मोनिका, एपीसी विवेक अधलखा, डीएमएस कपिल, डीएसएस रोहित, प्राचार्य सुदेश यादव, प्राचार्य दलबीर सिंह व सभी खंड एफएलएन समन्वयक विशेष तौर पर मौजूद रहे।

भिवानी। कार्यक्रम को संबोधित करते डीईओ सुभाष भारद्वाज।

डिबेट में लक्ष्य प्रथम और ब्रह्मानंद द्वितीय स्थान पर रहे

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिवानी

जिले के गांव कैरू स्थित राजकीय कन्या वमा विद्यालय परिसर में खंड स्तरीय डिबेट स्पर्धा का आयोजन किया,जिसमें राजकीय माध्यमिक विद्यालय मालवास कोहाड़ के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय के छात्रों ने अपनी-अपनी स्पर्धाओं में उत्कृष्टता का प्रदर्शन कर विजेता स्थान हासिल किया। विद्यालय के लक्ष्य व ब्रह्मानंद ने अपनी-अपनी श्रेणियों में क्रमशः प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि कहानी लेखन में दीपांशु ने तीसरे स्थान पर अपनी जगह बनाई। इस सफलता पर छात्रों को बधाई देने के लिए शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े हुए विभिन्न लोग उपस्थित थे। इनमे मनोज कुमार, आचार्य सुरेंद्र आर्य, बलराम मिताथल, सविता, ज्योति, वीरेंद्र, सत्यवीर, धर्मवीर, प्रवक्ता प्रदीप और कुसम शामिल थे। विजेता छात्रों को सम्मानित करते हुए बलराम मिताथल और सुरेंद्र आर्य ने उन्हें प्रोत्साहित किया और उनके बीच मिठाई वितरित की। सुरेंद्र आर्य ने कहा कि सरकारी स्कूलों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। हमें इन छात्रों को पहचानने और निखारने के लिए प्रयास और मेहनत करनी चाहिए, ताकि वे भविष्य में उच्च शिखर तक पहुंच सकें।यह आयोजन शिक्षा के महत्व और सरकारी स्कूलों की प्रतिभाओं को पहचानने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। छात्रों की मेहनत और समर्पण ने यह सिद्ध कर दिया कि सही मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर वे किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

भिवानी। विजेताओं को सम्मानित करते शिक्षक।

रेलमंत्री ने भिवानी जंक्शन से ट्रेनों के संचालन बहाली की जांच रिपोर्ट को निदेशालय को दिए निर्देश

भिवानी। राज्यसभा सांसद किरण चौधरी के पत्र के जवाब में केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने भिवानी रेलवे स्टेशन से किसान एक्सप्रेस एवं हिसार एक्सप्रेस को संचालित करने की विस्तृत जांच रिपोर्ट के लिए संबंधित निदेशालय को निर्देश दिए हैं। केंद्रीय रेलमंत्री ने सांसद किरण को पत्र लिखकर आश्वासन दिया कि निदेशालय द्वारा विस्तृत रिपोर्ट आने के उपरांत भिवानी रेलवे स्टेशन से किसान एक्सप्रेस तथा हिसार एक्सप्रेस के संचालक को बहाल कर दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि सांसद किरण चौधरी ने केंद्रीय रेलमंत्री को भिवानी रेलवे स्टेशन के माध्यम से किसान एक्सप्रेस व हिसार एक्सप्रेस का संचालन बहाल करने को लेकर पत्र लिखा था। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को पत्र में लिखा कि भिवानी व दिल्ली के बीच यात्रा करने वाले हजारों दैनिक यात्रियों को ये निर्णय प्रभावित कर रहा है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

मांगों को लेकर कर्मियों ने बनाई संघर्ष की रूपरेखा

- तीन तक मांगें नहीं मानी तो चार मार्च से अनिश्चितकालीन धरना होगा शुरू : सोमवीर

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिवानी

हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर यूनियन संबंधित सर्व कर्मचारी संघ की जुई सिविल ब्रांच व भिवानी सिविल ब्रांच की सांझा मीटिंग बड़चौक स्थित सिंचाई विभाग के यूनियन कार्यालय में वीरवार को संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता यूनियन के जिला सचिव सोमवीर पालुवास ने की तथा मंच संचालन आईबी जुई सिविल ब्रांच सचिव जोगेंद्र मास्टर व आईबी भिवानी सिविल ब्रांच सचिव अमित परमार ने किया। बैठक के दौरान कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांग व मुद्दों को लेकर गहनता से विचार-विमर्श किया और एक्सईएन भिवानी व एक्सईएन जुई को तीन मार्च तक का अल्टीमेट देते हुए कहा कि संगठन को बुलाकर कर्मचारियों की मांगों का निपटारा नहीं किया तो चार मार्च से कर्मचारी सिंचाई भवन में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने को मजबूर होंगे। बैठक को संबोधित करते हुए यूनियन के जिला सचिव सोमवीर पालुवास ने कहा कि कर्मचारियों की जायज मांगों व समस्याओं को लेकर यूनियन द्वारा बार-बार अधिकारियों को अवगत करवाया जा चुका है।

आंध्र प्रदेश ने झारखंड को हराया

- तीन दिवसीय तीसरी फास्ट फाइव नेशनल नेटबॉल प्रतियोगिता दूसरे दिन भी रही जारी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिवानी

हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन द्वारा गांव कलिंगा स्थित श्रीबालाजी स्कूल में करवाई जा रही लड़के व लड़कियों के वर्ग की तीन दिवसीय तीसरी फास्ट फाइव नेशनल नेटबॉल प्रतियोगिता वीरवार को दूसरे दिन भी जारी रही।

प्रतियोगिता में देशभर के विभिन्न राज्यों की नेटबॉल टीमें अपने शानदार खेल का प्रदर्शन कर रही है और दूसरे दिन मैच बड़े ही रोमांचक रहे। इस दौरान बतौर मुख्यतिथि नेटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव विजेंद्र सिंह दहिया ने शिरकत की। विशिष्ट अतिथि के तौर पर बालाजी सीनियर सैंकेंडरी स्कूल की संचालिका रेणुका शर्मा, टूर्नामेंट कमेटी के कन्वीर लक्ष्मण, टैक्नीकल कमेटी चेयरमैन अशोक आनंद, टैक्नीकल कमेटी कन्वीर विक्रमादित्य विशेष तौर पर पहुंचे तथा खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि खेल में अपनी हार से हताश होने की बजाय कमियां ढूढ़े तथा भविष्य में उन कमियों को दूर कर और भी बेहतर करने का प्रयास करें। प्रतियोगिता के परिणामों की जानकारी देते हुए हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन की महासचिव दहिया ने बताया कि लड़कों के वर्ग में आंध्र प्रदेश ने झारखंड को 22-15 के अंतर से, दिल्ली ने पुंडूचेरी को 30-27 के अंतर से, मध्य प्रदेश ने तमिलनाडु को 17-10 के अंतर से, पश्चिम बंगाल ने पुंडुचेरी को 28-10 के अंतर से, केरला ने उत्तर प्रदेश को 26-10 के अंतर से, बिहार ने महाराष्ट्र को 35-7 के अंतर से तथा चंडीगढ़ ने तमिलनाडु को 21-18 के अंतर से हराया। वहीं लड़कियों के वर्ग में दिल्ली ने महाराष्ट्र को 17-9 के अंतर से, पश्चिम बंगाल ने कर्नाटक को 15-11 के अंतर से, मध्य प्रदेश ने तमिलनाडु को 22-19 के अंतर से, पुंडूचेरी ने ओडीसा को 25-6 के अंतर से हराया।

भिवानी। अतिथियों के साथ विजेता टीम। फोटो :हरिभूमि

कार्यक्रम मेरा गांव नशा मुक्त गांव अभियान का ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र झोझूकलां में समापन

40 गांवों के लोगों को नशा छोड़ने की दिलाई शपथ

हरिभूमि न्यूज ▸▸| चरखी दादरी

ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र कादमा-झोझूकलां व मेडिकल विंग तथा भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिकता व नारकोटिक्स विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मेरा भारत नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत मेरा गांव नशामुक्त गांव अभियान का समापन ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र झोझूकलां में हुआ।

20 दिन तक चले अभियान के अंतर्गत 40 गांवों में 4250 लोगों ने नशा छोड़ने व न करने की शपथ ली दर्जनभर गांवों के सरपंचों ने अपने गांव में ब्रह्माकुमारीज पाठशाला खोलने का निमंत्रण दिया। इस अवसर पर रामबास सरपंच प्रतिनिधि अशोक शर्मा ने कहा कि गांवों के सर्वांगीण विकास से ही भारत विश्व गुरु बन सकता है, क्योंकि भारत गांवों में बसता है। समापन समारोह में पूर्व मुख्याध्यापक विनोद सांगवान पिचौपा खुर्द, सूबेदार रोहताश सांगवान कुब्जानगर, पूर्व प्रवक्ता लक्ष्मी झोझूकलां ने कहा कि ब्रह्माकुमारी बहनें अपने त्याग तपस्या और सेवा से गांव का नैतिक, चारित्रिक व आध्यात्मिक उत्थान कर रही हैं, जिससे ही भारत सोने की चिड़िया पुनः बन सकता है। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन, ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन, ब्रह्माकुमारी नीलम बहन, रितु बहन, रेखा बहन,अनुज बहन, मोनिका व पूनम बहन आदि के साथ अभियान में चलने वाले सभी ब्रह्माकुमार भाई बहनों का सम्मान किया।

भिवानी। मेरा गांव नशा मुक्त गांव अभियान के दौरान ब्रह्माकुमारीज भाई-बहन।

युवा पीढ़ी हो रही है नशे की गुलाम

अभियान का उद्देश्य बताते हुए क्षेत्रीय संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने कहा की आज हमारे भारत देश के ग्रामीण लोग व युवा पीढ़ी विभिन्न प्रकार के व्यसनों के गुलाम होते जा रहे हैं जो एक, चिंता का विषय है उन्होंने कहा की हमारे गांव के भोले भाले लोगों को व युवा पीढी को बीड़ी सिगरेट शराब ड्रग्स व अन्य नशीले द्रव्य पदार्थों से होने वाली हानि और उनसे बचने का सहज तरीका अपने मनोबल को बढ़ाने के लिए आध्यात्मिक मूल्य मेडिटेशन राजयोग के प्रति जागृत करने के लिए नशामुक्त अभियान निकाला,जिसके सकारात्मक परिणाम अवश्य आएंगे। अभियान की संयोजक एवं झोझूकलां सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन ने अभियान की रिपोर्ट सुनाते हुए कहा कि 7 से 26 फरवरी तक चला 20 दिवसीय अभियान के दौरान विभिन्न गांवों व शिक्षण संस्थाओं में लगभग 4250 लोगों व विद्यार्थियों को चित्र प्रदर्शनी, नाटक व प्रवचनों के द्वारा नशामुक्त रहने व अपने नैतिक चारित्रिक उत्थान करने की शपथ दिलाई और उनको घर गृहस्थ परिवार में रहते हुए सुख शांति आनंदमय आध्यात्मिक शैली से जीवन जीने की कला बताई।